

## आईआईटी की पहली बैठ

# 70 फीसद को मिली नौकरियां

इंदौर। आईआईटी इंदौर की पहली बैठ मई में पासआउट हो रही है। हालांकि देश का प्रीमियर इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट पहली बैठ के लिए सौ फीसदी प्लेसमेंट हासिल नहीं कर सका है। यहां सिर्फ 70 प्रतिशत प्लेसमेंट हो पाया है। मई के आखिरी सप्ताह में संस्थान अपना पहला दीक्षांत

➤ मई में होगा पहला दीक्षांत समारोह

➤ पूर्व डिप्टी डायरेक्टर के आरोपों पर बोलने से इनकार

समारोह आयोजित कर रहा है। इस बीच यह भी तय हो गया है कि 2015 तक आईआईटी किराए के कैंपस में ही चलेगा।

सोमवार को

आईआईटी के निदेशक

डॉ. प्रदीप माथुर ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए संस्थान की प्रगति व भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आईआईटी को सिमरोल में आवंटित 500 एकड़ जमीन में से करीब 5 एकड़ वनक्षेत्र का डायवर्सन का मामला अब तक नहीं सुलझा है। आईआईटी ने स्थायी कैंपस के लिए पहले चरण का काम शुरू कर दिया है। हालांकि 2015 तक विवि के साथ किराए के कैंपस का करार आगे बढ़ा है इसलिए दो वर्ष तो आईआईटी इसी तरह संचालित होता रहेगा। डॉ. माथुर ने दावा किया कि देश में स्थापित सभी नए आईआईटी में इंदौर की प्रगति सबसे बेहतर है। हमने कई आधुनिक उपकरण भी अपनी लैब में जुटाए हैं। नतीजतन दूसरे आईआईटी के रिसर्च स्कॉलर इंदौर की लैब में रिसर्च के लिए आ रहे हैं।

### अनोखा होगा कैंपस

सिमरोल में आईआईटी के नए कैंपस के लिए खाका बनकर तैयार है। आईआईटी निदेशक के अनुसार आईआईटी के नए कैंपस का स्ट्रक्चर प्रदेशभर में अपनी तरह का पहला और अनोखा होगा। लाइब्रेरी के बजाय आईआईटी नए जमाने का लर्निंग रिसोर्स सेंटर स्थापित कर रहा है। सेंटर की बिल्डिंग इस तरह डिजाइन करवाई है कि वह आईआईटी की पहचान बन जाए। सौर ऊर्जा के ज्यादा से ज्यादा उपयोग के साथ इसमें तापमान नियंत्रक सेंसर लगेंगे।

### आरोपों पर चुप्पी

निदेशक प्रो. माथुर ने संस्थान के पूर्व डिप्टी डायरेक्टर रहे प्रो. खन्ना द्वारा लगाए आरोपों पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। निदेशक से जब पूछा गया कि संस्थान को मनमाने तरीके से चलाने के आरोपों में कितनी सच्चाई है। प्रो. माथुर ने जवाब दिया कि क्योंकि प्रो. खन्ना अब आईआईटी इंदौर का हिस्सा नहीं हैं इसलिए कुछ भी बोलना ठीक नहीं। ऐसे मुद्दों पर टिप्पणी करना संस्थान की नीति नहीं है।